MIL Part-II 21/07/20

लिंग-निर्णय

- दिव्या
अतिथि शिक्षक, हिन्दी विभाग
वैशाली महिला कॉलेज, हाजीपुर

2) तद्भव शब्दों का लिंग-निर्णय —

* तद्भव शब्दों के लिंग-निर्णय में अधिक कठिनाई होती है। इसके निर्धारण के लिए विभिन्न नियमों का निर्माण किया गया जो निम्नलिखित हैं:

तद्भव पुलिंग शब्द

- मनुष्य और बड़े पशुओं में जर पुलिंग होते हैं। जैसे - ऊँट, बूढ़ा, युवक, लड़का, हाथी आदि।
- द्वंद्व समास के प्राणिवाचक शब्द पुलिंग होते हैं। जैसे- भाई-बहन, माँ-बाप, राधा-कृष्ण आदि।

- अप्राणिवाचक संज्ञाओं का लिंग - निर्णय रूप के आधार पर होता है। निम्नलिखित शब्द पुलिंग हैं —

  - वनस्पति → अनार, आम, खजूर, देवदार, पीपल, बाँस आदि।
    ⇒ **अपवाद** - नारंगी, नाशपाती, इमली आदि।
  - तरल - पदार्थ → तेल, दही, दूध, पानी, इत्र, मधु, शरबत आदि।
    ⇒ **अपवाद** - काफी, चाय, स्याही आदि।
  - धातु - खनिज → लोहा, सोना आदि।
    ⇒ **अपवाद** - चाँदी।
  - अन्न → गेहूँ, चना, चावल, जौ, धान, बाजरा, उड़द आदि।
    ⇒ **अपवाद** - अरहर, ज्वार, मकई, मूँग, खेसारी आदि।
  - मसाला → जीरा, धनिया, प्याज, लहसून आदि
    ⇒ **अपवाद** - इलायची, लौंग, हींग आदि।

- शरीर के अवयवों के नाम → कान, गाल, तालु, दाँत, नाखून, पैर, बाल, सिर, हाथ, ओठ, पेट आदि।

  ⇒ अपवाद - आँख, गर्दन, छाती, जीभ, नाक, पीठ, मूँछ, हथेली आदि।

- देशों एवं प्रान्तों के नाम → भारत, रूस, अमेरिका, बिहार, केरल आदि।

- दिनों के नाम → सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार आदि।

- महीनों के नाम → चैत, बैसाख, जेठ, आषाढ़, सावन, आदि।

- जिन संज्ञा शब्दों के अंत में 'ऑ' हो वे प्राय: पुलिंग होती हैं। जैसे - कुआँ, चुआँ आदि।

— क्रमशः